भोपाल में ३.८० लाख मतदाताओं का अब भी सुराग नहीं

एसआईआर के बाद सूची से बाहर हुए नामों की तलाश में २९०० बीएलओ तैनात, ३१ तक चलेगा अभियान; सातों विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर सत्यापन

भोपाल, (एजेंसी)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद भोपाल में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से बाहर होने का मामला अब उनकी तलाश के अभियान में बदल गया है। जिले में करीब ४.५० लाख मतदाताओं का सत्यापन नहीं हो पाने के कारण उनके नाम कट गए थे। अब निर्वाचन अमला इन मतदाताओं तक पहुंचने में जुटा है। करीब २९०० बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर पहचान और दस्तावेजों का सत्यापन कर रहे हैं। अभियान के दौरान अब तक ७१ हजार मतदाताओं के नाम दोबारा सूची में जोड़े जा चुके हैं, जबकि ३.८० लाख से अधिक मतदाताओं की तलाश बाकी है। भोपाल की बैरसिया, हुजूर, गोविंदपुरा, नरेला, भोपाल मध्य, भोपाल उत्तर और दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों में यह अभियान चलाया जा रहा है। एसआईआर के दौरान वर्ष २००३ के रिकॉर्ड सहित आवश्यक जानकारी का सत्यापन नहीं हो पाने के कारण जिन मतदाताओं के नाम सूची से हटे थे, उन्हें दोबारा चिह्नित किया जा रहा है। इसके लिए बीएलओ पुराने रिकॉर्ड और उपलब्ध जानकारियों के आधार पर संबंधित मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं।

३१ अक्टूबर तक पूरा करना है काम

निर्वाचन विभाग ने छूटे हुए मतदाताओं की पहचान और नाम जोड़ने के लिए ३१ अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक पांडे के मुताबिक, सात विधानसभा क्षेत्रों में २९०० बीएलओ एसआईआर के दौरान कम हुए नामों की सूची के आधार पर मतदाताओं की तलाश कर रहे हैं। अब तक ७१ हजार लोगों की पहचान कर उनके नाम जोड़ने की कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग का लक्ष्य तय समयसीमा में शेष मतदाताओंका सत्यापन पूरा करना है।

नाम कटने के बाद अब पहचान की चुनौती

इस अभियान में सबसे बड़ी चुनौती उन मतदाताओं तक पहुंचना है, जिनका सत्यापन पहले चरण में नहीं हो सका। ऐसे मतदाताओं की पहचान और पात्रता की पुष्टि के बाद ही नाम जोड़ने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। अब सवाल यह है कि ३१ अक्टूबर तक शेष ३.८० लाख से अधिक मतदाताओं में से कितने लोगों का पता लग पाता है और कितने नाम दोबारा मतदाता सूची में शामिल हो पाते हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

जबलपुर, (ईएमएस)। पनागर थाना अतंर्गत बघौड़ा एवं बरौदा के बीच पनागर में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है

पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस बघौड़ा एवं बरौदा के बीच पनागर में अज्ञात वाहन की टक्कर से कैकुवल्ली बेलखाडू थाना कटंगी निवासी ३३ वर्षीय योगेश ठाकुर घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए भाई शशांक ठाकुर के द्वारा उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया जिहां उपचार के दौरान डॉक्टर ने चैक कर ७.४० बजे योगेश ठाकुर को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

एमपी में पर्यावरण विभाग में घमासान!

सिया अध्यक्ष ने एसीएस और सदस्य सचिव को निलंबित करने की मांग की

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (सिया) के अध्यक्ष शिव नारायण सिंह चौहान ने पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव अनिरुद्ध मुखर्जी समेत तीन वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। उन्होंने मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल को पत्र लिखकर अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने और कथित घोटाले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग भी की है। पत्र में प्राधिकरण के कामकाज में बाधा डालने की साजिश और पर्यावरणीय मंजूरियों में अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। चौहान ने जिन तीन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, उनमें पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव और पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (ईपीसीओ) के महानिदेशक अनिरुद्ध मुखर्जी, सिया के सदस्य सचिव हर्षल पंचोली और डीम्ड पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने वाले अधिकारी नवनीत मोहन कोठारी शामिल हैं।

तीन महीने से पोर्टल बंद होने का आरोप

मुख्य सचिव को लिखे पत्र में चौहान ने आरोप लगाया कि मुखर्जी और पंचोली पर्यावरण कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं और सिया के कामकाज को बाधित करने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके कक्ष का इंटरनेट कनेक्शन काट दिया गया है और पिछले तीन महीने से सिया का पोर्टल बंद है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राधिकरण के कार्यालय में कर्मचारियों को बदलकर अयोग्य लोगों को तैनात किया गया, जबकि समर्पित कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। चौहान के मुताबिक, मुखर्जी ने भारत सरकार के सचिव को कई बार फोन कर केंद्र सरकार की ओर से पदस्थ अश्वनी कुमार की सेवाएं समाप्त करने की मांग की। उन्होंने यह भी दावा किया कि स्टेनोग्राफर को भी सेवा समाप्ति का नोटिस दिया गया है।

कर्मचारियों की तैनाती पर भी सवाल

चौहान ने पत्र में आरोप लगाया कि लाइब्रेरी सहायक राजनेश कुमार को उनका निजी सहायक नियुक्त किया गया है, जबकि उन्हें टाइपिंग का कौशल नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कैंसर से पीडित और ठीक से चलने में असमर्थ वकील नामक कर्मचारी को सेवक के रूप में तैनात किया गया है। उनके अनुसार, एक साल में सिया के कर्मचारियों की २० से अधिक बार अदला-बदली की गई।

२३७ डीम्ड अनुमतियां जारी करने का आरोप

सिया अध्यक्ष ने तत्कालीन पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत मोहन कोठारी के माध्यम से तत्कालीन सदस्य सचिव द्वारा २३७ डीम्ड अनुमतियां जारी कराए जाने का आरोप भी लगाया। चौहान का कहना है कि इस तरह की अनुमतियां जारी करने का कोई प्रावधान नहीं है और पर्यावरणीय स्वीकृति देने का अधिकार केवल भारत सरकार तथा सिया के पास है। उन्होंने पूर्व सदस्य सचिव उमामहेश्वरी पर भी पंचोली के साथ मिलकर प्राधिकरण का कामकाज बाधित करने का आरोप लगाया है। चौहान ने इन कथित अनियमितताओं की जांच कराने, संबंधित अधिकारियों को निलंबित करने और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने की मांग की है।

एम्स में अब मोबाइल बनेगा मां और बच्चे का पोषण गाइड

क्यूआर कोड स्कैन करते ही मिलेगा खानपान का पूरा ब्योरा

भोपाल, (एजेंसी)। गर्भावस्था में क्या खाना चाहिए, बच्चे के बेहतर विकास के लिए शुरुआती दिनों में किन पोषक तत्वों की जरूरत होती है और स्तनपान कराने वाली मां के आहार में क्या शामिल होना चाहिए, इन सवालों के जवाब के लिए अब अस्पताल में जानकारी जुटाने की मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। एम्स भोपाल में क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पोषण दिशा-निर्देश शुरू किए गए हैं। मरीज और उनके परिजन मोबाइल से कोड स्कैन कर मां और शिशु के पोषण से जुड़ी जरूरी जानकारी हासिल कर सकेंगे। अब तक खानपान से जुड़ी सही जानकारी के लिए लोगों को स्वास्थ्य विशेषज्ञों या उपलब्ध सूचना सामग्री पर निर्भर रहना पड़ता था। डिजिटल पहल के जरिए पोषण संबंधी दिशा-निर्देशों को आसानी से उपलब्ध कराने की कोशिश की गई है। इसमें गर्भावस्था के दौरान आहार, बच्चे के जीवन के पहले १००० दिनों में पोषण और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए दुग्धवर्धक खाद्य पदार्थों से जुड़ी जानकारी शामिल है।

गर्भावस्था से बच्चे के विकास तक की जानकारी

एम्स के आहार विज्ञान विभाग की इस पहल का उद्देश्य माताओं और बच्चों के पोषण को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। क्यूआर कोड के माध्यम से गर्भवती महिलाएं अपने खानपान से जुड़े दिशा-निर्देश देख सकेंगी। वहीं, नवजात बच्चों की माताओं और उनके परिजनों को भी बच्चे के शुरुआती विकास के दौरान पोषण की जरूरतों को समझने में मदद मिलेगी। बच्चे के जीवन के शुरुआती १००० दिन उसके विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाते हैं। ऐसे में इस अवधि में संतुलित आहार और उचित पोषण की जानकारी परिवारों तक पहुंचाना जरूरी है। एम्स की डिजिटल सुविधा इसी जरूरत को ध्यान में रखकर शुरू की गई है।

आंगनबाड़ी से अस्पताल तक चला जागरूकता अभियान

यह पहल राष्ट्रीय पोषण माह के समापन समारोह के दौरान १४ अक्टूबर को शुरू की गई। पोषण माह का आयोजन ९ सितंबर से ८ अक्टूबर तक 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर किया गया था। इसके तहत माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य के साथ संतुलित आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान के दौरान तीन आंगनबाड़ी केंद्रों के अलावा भोपाल के बकानिया, बमूलिया, बंगरसिया और दीवानगंज में भी जागरूकता गतिविधियां हुईं। अस्पताल की ओपीडी में जीवन के पहले १००० दिनों के पोषण पर जानकारी दी गई। बाल रोग विभाग के सहयोग से बाल विकास पर सत्र आयोजित किए गए। स्वस्थ टिफिन प्रतियोगिता के जरिए भी संतुलित और पौष्टिक भोजन का संदेश दिया गया। प्रतियोगिता में मीना चौधरी ने पहला, अंकिता वाडनेरकर ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि प्रियांशी यादव और भूमिका मालवीय संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। समापन समारोह में आहार विज्ञान विभाग के इंटर्न ने पोषण जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

विशेषज्ञ की सलाह का विकल्प नहीं है डिजिटल जानकारी

डिजिटल पोषण दिशा-निर्देशों का शुभारंभ एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल (सेवानिवृत्त) ने किया। उन्होंने कहा कि माताओं और बच्चों का स्वस्थ रहना स्वस्थ समाज की नींव है। पोषण संबंधी सही जानकारी हर घर तक पहुंचनी चाहिए। हालांकि, क्यूआर कोड से मिलने वाली जानकारी सामान्य मार्गदर्शन के लिए है। गर्भावस्था, स्तनपान या बच्चे की सेहत से जुड़ी विशेष जरूरतों के लिए डॉक्टर और आहार विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी रहेगा।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला की मौत

जबलपुर, (एजेंसी)। घमापुर थाना क्षेत्र में छुई खदान के पास ट्रेन की चपेट में आने से करीब ४५ वर्षीय अज्ञात महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, १६ अक्टूबर २०२६ को रेलवे कर्मचारी प्रशांत नामदेव ने सूचना दी कि छुई खदान के पास एक महिला की ट्रेन से कटने के कारण मौत हो गई है। महिला की उम्र लगभग ४५ वर्ष बताई गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। फिलहाल महिला की पहचान और घटना के संबंधमें जांचकी जा रही है।

युवक ने फांसी लगायी

जबलपुर, (ईएमएस)। गोहलपुर थाना अतंर्गत नशा मुक्ति केंद्र के पास कुदवारी गोहलपुर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली आत्महत्या का कारण अज्ञात है पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। गोहलपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार नशा मुक्ति केंद्र के पास कुदवारी गोहलपुर निवासी १७ वर्षीय अंश केवट ने गत रात लगभग १० बजे अपने घर के कमरे में फांसी लगा ली परिजनों द्वारा रात लगभग ११.२५ बजे मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने चैक कर अंश केवट को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

वनभूमि पर अतिक्रमण का मुद्दा गरमाया

लाखों एकड़ जंगल सिमटने पर जतायी चिंता

जबलपुर, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में वनभूमि को गैर-वन कार्यों में उपयोग किए जाने और लाखों एकड़ जमीन पर अतिक्रमण के मुद्दे ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने वनभूमि पर कथित अतिक्रमण, जंगलों के सिमटने और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट होने का मुद्दा उठाते हुए राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा से हस्तक्षेप की मांग की है। मंच ने उन्हें ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में वनभूमि संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। मंच ने अपने ज्ञापन में दावा किया कि मध्यप्रदेश में करीब १४.२१ लाख एकड़ वनभूमि अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। मंच का कहना है कि वनभूमि को अतिक्रमण के जरिए जंगलों से अलग किया जाना पर्यावरण और वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा है। जंगलों के क्षेत्रफल में कमी आने से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में वनभूमि की सुरक्षा को राजनीतिक खींचतान से अलग रखकर गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

बुधनी के बाद राजनीति पर सवाल

मंच ने सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के कोसमी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बाद प्रदेश में राजनीतिक स्थिति चिंताजनक हो गई है। मंच ने सवाल उठाया कि यदि वनभूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है, तो उसे राजनीतिक विवाद का विषय क्यों बनाया जाना चाहिए। मंच के अनुसार, वनभूमि और जंगलों के संरक्षण के मामले में राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर काम करने की जरूरत है। वन और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की राजनीतिक खींचतान से बचना जरूरी है।

राज्य सरकार को पत्र लिखेंगे विवेक तन्खा

ज्ञापन के संबंध में राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि वनभूमि और वन्यजीवों का संरक्षण बेहद जरूरी है तथा इस दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने आवश्यक कार्रवाई के लिए मध्यप्रदेश सरकार को पत्र लिखने की बात कही। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने मांग की कि वनभूमि पर अतिक्रमण के मामलों की गंभीरता से समीक्षा की जाए और जंगलों को सुरक्षित रखने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। मंच का कहना है कि वनभूमि का संरक्षण केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन और वन्यजीवों के अस्तित्व से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। इस अवसर पर डॉ. पी.जी. नाजपांडे, एडवोकेट वेदप्रकाश अधौलिया, सुभाष चंद्रा, अशोक यादव, विवेक दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। ज्ञापन १७ अक्टूबर २०२६ को सौंपा गया।

गरबा उत्सव में पहचान पत्रों की जांच को लेकर हंगामा, दो पक्षों में विवाद

महिला पदाधिकारियों ने महिला बाउंसरों पर मारपीट और धक्का देने के लगाए आरोप, चक्काजाम से यातायात प्रभावित

जबलपुर, (एजेंसी)। धन्वंतरि नगर स्थित जसूजा सिटी में आयोजित गरबा उत्सव के दौरान हिंदू संगठन के पदाधिकारियों के पहुंचने से तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। संगठन के पदाधिकारी गरबा में शामिल होने पहुंच रहे प्रतिभागियों के पहचान पत्रों की जांच करने पहुंचे थे। इस पर आयोजकों के निजी सुरक्षा कर्मियों ने आपत्ति जताई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और तीखी बहस के बाद झूमाझटकी शुरू हो गई। घटनास्थल पर पुलिस बल की मौजूदगी के बीच हुए विवाद में संगठन की महिला पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर तैनात महिला बाउंसरों पर हाथापाई करने और जबरन धक्का देकर हटाने के आरोप लगाए। घटना की जानकारी मिलते ही संगठन के अन्य कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिससे वहां हंगामे की स्थिति बन गई।

मुख्य मार्ग पर चक्काजाम वाहनों की लगी कतारें

विवाद से नाराज कार्यकर्ताओं ने जसूजा सिटी के बाहर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे सड़क पर यातायात बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने तथा नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने चक्काजाम समाप्त कर दिया। अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति नियंत्रित हुई और यातायात बहाल किया गया। घटना के संबंध में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

इंस्टाग्राम पर खरीदारी के नाम पर नर्सिंग छात्रा से ८० हजार रुपये की ठगी

जबलपुर, (एजेंसी)। इंस्टाग्राम पर ऑनलाइन खरीदारी करना एक नर्सिंग छात्रा को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने ऑर्डर कैंसिल करने के नाम पर छात्रा और उसकी मां के बैंक खातों से सात बार में कुल ८० हजार रुपये ठग लिए। पीड़िता की शिकायत पर गोरखपुर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस लाइन गोरखपुर निवासी २३ वर्षीय हेमलता धुर्वे नर्सिंग का कोर्स कर रही हैं। उन्होंने ७ अक्टूबर २०२६ को इंस्टाग्राम पर एक पेज के माध्यम से खरीदारी के लिए ऑर्डर किया था। इसके बाद उनके मोबाइल पर व्हाट्सऐप के जरिए संदेश आया। संदेश भेजने वाले ने खुद को अमेजन से जुड़ा बताते हुए कहा कि ऑर्डर कन्फर्म करने के लिए ओटीपी आएगा और इसके लिए भुगतान करना होगा।

हेमलता ने जब ऑर्डर रद्द करने की बात कही तो आरोपी ने कहा कि ऑर्डर कैंसिल नहीं होगा और उन्हें भुगतान करना पड़ेगा। इस तरह आरोपी ने सात बार में कुल ८० हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसमें हेमलता के एसबीआई खाते और उनकी मां के पंजाब नेशनल बैंक खाते से रकम निकाली गई।ठगी का पता चलने पर पीड़िता ने गोरखपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने धारा ३१८(४) बीएनएस के तहत मामला दर्जकर विवेचनामें लिया है।

एक्सिस बैंक का ऐप डाउनलोड कराते ही मोबाइल हैक, खाते से निकले ६७,६८० रुपये

साइबर ठगों ने बैंक का ऐप डाउनलोड कराने के बहाने एक व्यक्ति के मोबाइल को हैक कर उसके बैंक खाते से ६७ हजार ६८० रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर रांझी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आदर्श नगर निवासी ३७ वर्षीय सौरभ सोनी ने शिकायत में बताया कि १२ अक्टूबर २०२६ को सुबह करीब ११ बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उन्हें एक्सिस बैंक का ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा। सौरभ ने उसके कहने पर ऐप डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया और बैंक खाते से अलग-अलग लेनदेन के जरिए कुल ६७ हजार ६८० रुपये कट गए। खाते से रकम निकलने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। रांझी थाना पुलिस ने धारा ३१८(४) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

सूने मकान में ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवर चोरी

जबलपुर, (एजेंसी)। मझगवां थाना अतंर्गत ग्राम बुढ़रा में एक मैकेनिक के सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर १ लाख के कीमती सोने चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। मझगवां पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बुढ़रा निवासी ४२ वर्षीय माईंस मैकेनिक शिवपुरी गोस्वामी गत सुबह लगभग ७ बजे आनंद माईंस में काम करने चला गया था, घर पर पत्नी एवं बच्चे थे बच्चे स्कूल चले गये थे पत्नी भी मझली बेटी का इलाज कराने घर में ताला लगाकर जबलपुर चली गयी थी दोपहर लगभग १.३० बजे बेटा समर स्कूल से आकर देखा तो घर का ताला टूटा मिला उसके बेटे समर ने उसे फोन पर चोरी की सूचना दी, सूचना मिलते ही वह घर पहुंचा तो देखा कि अंदर रखी तीन अलमारियों का ताला टूटा थी आलमारी में रखे सोने की १ अंगूठी, बाली, खुटिया, चांदी की ३ जोड़ी पायल, हाफ करधन, कड़ुोरा, एक जोड़ी छेल चूड़ी, बिछिया का सेट, सिक्का अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।

दहेजमें बाइक और गाड़ी नहीं मिलने पर विवाहितासे मारपीट, मायके छोड़ा

जबलपुर, (एजेंसी)। दहेज में मोटरसाइकिल और गाड़ी नहीं मिलने तथा कम दहेज लाने की बात को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति और सास ने महिला के साथ मारपीट कर उसे मायके में छोड़ दिया। पीड़िता की शिकायत पर हनुमानताल थाना पुलिस ने पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, २३ वर्षीय सीरिन बानो निवासी हनुमानताल की शादी ६ नवंबर २०२२ को मुस्लिम रीति-रिवाज से उस्मान खान के साथ हुई थी। महिला का पति ई-रिक्शा चलाता है। शादी के बाद वह पति और सास शम्मो बेगम के साथ रहती थी, जबकि उसका ससुर और देवर सऊदी अरब में रहते हैं।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि शादी के दो-तीन दिन बाद ही सास ने मायके वालों द्वारा शादी में मोटरसाइकिल नहीं देने की बात कहकर ताना देना शुरू कर दिया। महिला ने बताया कि उसके परिवार ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार शादी में सामान दिया था। इसी बात को लेकर पति ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद पति और सास आए दिन दहेज की मांग करते हुए उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे।

महिला के अनुसार, ७ अक्टूबर २०२६ को पति ने दहेज में गाड़ी नहीं देने और कम दहेज लाने की बात पर उसके साथ मारपीट की और उसे मायके पचकुइयां में छोड़ दिया। शिकायत पर हनुमानताल थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा ८५ एवं ३(५) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा ३ और ४ के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

जहर खाकर महिला ने दी जान

जबलपुर, (ईएमएस)। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत गोपालपुर में जहरीली वस्तु का सेवन करने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात लगभग ९ बजे घर पर जहरीली वस्तुका सेवन करने के कारण गोपालपुर निवासी ३२ वर्षीय मनीषा भूमिया को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार दौरान देर रात लगभग १.३० बजे मनीषा भूमिया की मौत हो गई।

बीना स्टेशन पर नहीं रुकेंगी ६ यात्री ट्रेनें

२५ तक बदला रहेगा संचालन, ग्वालियर-दमोह और नागदा रूट के यात्रियों को होगी परेशानी

भोपाल, (एजेंसी)। बीना स्टेशन पर यार्ड री-मॉडलिंग का काम पूरा होने के बावजूद प्लेटफॉर्म और मल्टीपल लाइन को फिटनेस नहीं मिलने से रेलवे ने ६ यात्री ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव किया है। १६ से २५ अक्टूबर तक प्रभावित ट्रेनों में से कुछ को मालखेड़ी स्टेशन तक चलाया जाएगा, जबकि कुछ ट्रेनें मालखेड़ी और गुना स्टेशन से रवाना होंगी। ऐसे में बीना से यात्रा करने वाले यात्रियों को ट्रेन के बदले हुए स्टेशन और समय का ध्यान रखना होगा। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के अनुसार ग्वालियर-बीना पैसेंजर और बीना-दमोह पैसेंजर को १६ से २४ अक्टूबर तक मालखेड़ी स्टेशन से जोड़ा गया है। वहीं, दमोह-बीना और बीना-ग्वालियर पैसेंजर का संचालन भी इस अवधि में मालखेड़ी स्टेशन से होगा। इसके अलावा नागदा-बीना एक्सप्रेस गुना स्टेशन पर आंशिक रूप से समाप्त होगी, जबकि बीना-नागदा एक्सप्रेस गुना से रवाना की जाएगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों के संचालन, प्रस्थान समय और गंतव्य की जानकारी आधिकारिक पूछताछ माध्यमों से लेने की अपील की है। इसके लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर १३९ पर भी संपर्क किया जा सकता है।

इन ट्रेनों के संचालन में बदलाव

ग्वालियर-बीना पैसेंजर (५१८८४): १६ से २४ अक्टूबर तक ट्रेन बीना के बजाय मालखेड़ी स्टेशन तक जाएगी। मालखेड़ी पहुंचने का निर्धारित समय शाम ४:४० बजे है। ट्रेन बीना स्टेशन को बायपास करते हुए फ्लाईओवर मार्ग से चलेगी। इस दौरान ९ फेरे होंगे। बीना-दमोह पैसेंजर (५१८८५): १६ से २४ अक्टूबर तक ट्रेन बीना के बजाय मालखेड़ी स्टेशन से शाम ६:१० बजे रवाना होगी। इस अवधि में इसके ९ फेरे निर्धारित हैं।

दमोह-बीना पैसेंजर (५१८८६): १७ से २४ अक्टूबर तक ट्रेन बीना के बजाय मालखेड़ी स्टेशन पर आंशिक रूप से समाप्त होगी। मालखेड़ी पहुंचने का निर्धारित समय सुबह ११:४५ बजे है। ट्रेन दमोह से सुबह ८ बजे रवाना होगी। कुल ८ फेरे होंगे। बीना-ग्वालियर पैसेंजर (५१८८३): १७ से २४ अक्टूबर तक ट्रेन बीना के बजाय मालखेड़ी स्टेशन से दोपहर १२:२० बजे रवाना होगी। इसका संचालन भी बीना स्टेशन को बायपास करते हुए फ्लाईओवर मार्ग से किया जाएगा। इस दौरान ८ फेरे होंगे। नागदा-बीना एक्सप्रेस (१९३४१): १७ से २४ अक्टूबर तक ट्रेन बीना के बजाय गुना स्टेशन पर आंशिक रूप से समाप्त होगी। इस अवधि में ९ फेरे होंगे। बीना-नागदा एक्सप्रेस (१९३४२): १८ से २५ अक्टूबर तक ट्रेन बीना के बजाय गुना स्टेशन से रवाना होगी। इस दौरान इसके ९ फेरे निर्धारित हैं।

आटो मे बैठी महिला के गले से मंगलसूत्र पार

जबलपुर, (एजेंसी)। लार्डगंज थाना अतंर्गत न्यू आदर्श कालोनी के गेट के सामने आटो में बैठी महिला के गले में पहना हुआ मंगलसूत्र चोरी हो गया

लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीरामनगर गुलौआ चौक मदनमहल निवासी २८ वर्षीय श्रीमति श्रद्धा दीक्षित गत शाम लगभग ४.३० बजे ननद पूजा व अपने तीन साल के बेटे के साथ स्नेहनगर से पैदल मेहता पेट्रोल पम्प तक आई थी मेहता पेट्रोल पम्प के सामने एक आटो में पहले से तीन महिला तथा एक छोटा बच्चा बैठे हुये थे उसी आटो में दीनदयाल बस स्टेण्ड जाने के लिये उनलोग भी बैठ गये आटो वाले ने लेवर चौक से अंदर होते हुये न्यू आदर्श कालोनी के गेट के सामने यह कहकर उतार दिया कि इन सवारियों को किसी दूसरी जगह जाना है और आटो मोड़कर वापस चला गया उसके बाद उसने देखी की उसके गले में सोने का लंबा मंगलसूत्र नहीं था, जो अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा ३०३(२) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सराफा कारोबारी से १० लाख रुपये की अड़ी

रास्ते पर रोककर गाली-गलौज, धमकी और मारपीट

जबलपुर, (एजेंसी)। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक सराफा कारोबारी से कथित तौर पर १० लाख रुपये की मांग करने और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, उपरैनगंज दीक्षितपुरा निवासी ४० वर्षीय विनोद सोनी की मन्नूलाल अस्पताल के पास बालाजी ज्वेलर्स के नाम से सोने-चांदी की दुकान है। विनोद ने १६ अक्टूबर की रात कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसी दिन शाम करीब चार बजे वह दीक्षितपुरा स्थित गुरु तिराहे पर देवी दर्शन के लिए गया था। इसी दौरान गौरव सोनी वहां एक्टिवा से पहुंचा और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगा।

शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने विनोद पर अपनी एक्टिवा में बैठने और दुकान चलकर उसके भाई सूर्यकांत छनिया से बात कराने का दबाव बनाया। आरोपी ने कथित तौर पर १० लाख रुपये देने या अपने भाई से दिलवाने की मांग की। विनोद के विरोध करने पर उसकी गाड़ी में लात मारकर उसे गिरा दिया गया।

फरियादी के अनुसार, वह आरोपी के साथ जाने के बजाय अपनी गाड़ी से उसकी दुकान तक पहुंचा। वहां आरोपी दुकान के अंदर से डंडा लेकर आया और बैठने के लिए कहते हुए फिर गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि रुपये नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिसने विनोद सोनी की शिकायत पर आरोपी गौरव सोनी के खिलाफ बीएनएस की धारा ११९(१), २९६(बी), ३५१(३) और ११५(२) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए आरोपी की तलाश कर रही है।

अब बच्चों के मुंह से दूध छीनने लगी महंगाई

जबलपुर में खुले दूध के दाम ८० रुपए लीटर

जबलपुर, (एजेंसी)। महंगाई की मार अब घरों के बजट से निकलकर बच्चों के गिलास तक पहुंच गई है। कभी हर घर की बुनियादी जरूरत माना जाने वाला दूध अब आम परिवारों की जेब पर भारी पड़ने लगा है। शहर में निजी डेयरी संचालकों और घर-घर दूध पहुंचाने वाले विक्रेताओं ने अचानक २ से ५ रुपए प्रति लीटर तक दाम बढ़ा दिए हैं। इसके साथ ही खुले दूध की कीमत ८० से ८२ रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गई है। हालात ऐसे हैं कि बच्चों के पोषण, बुजुर्गों की जरूरत और बीमार लोगों के आहार में शामिल दूध भी अब लोगों को सोच-समझकर खरीदना पड़ रहा है। सवाल यह है कि आखिर दूध की कीमतों पर निगरानी कौन कर रहा है और आम उपभोक्ता को राहत कब मिलेगी?

घर का हिसाब-किताब गड़बड़ाया

शहर में